

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Наумова Наталия Александровна  
Должность: Ректор  
Дата подписания: 24.10.2024 14:21:41  
Уникальный программный ключ:  
6b5279da4e034bff679172803da5b7b559fc69e2

МИНИСТЕРСТВО ПРОСВЕЩЕНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования  
"Государственный университет просвещения"  
(Государственный университет просвещения)

План одобрен Ученым советом ГУП

Протокол № 14 от 30 июня 2023 г.

38.03.01

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

И.о. ректора

по программе бакалавриата



И.А. Кокоева

Направление подготовки 38.03.01 Экономика  
Профиль: Финансы и кредит

Факультет: Экономический

|                                |                                          |
|--------------------------------|------------------------------------------|
| Квалификация: Бакалавр         |                                          |
| Форма обучения: Очная          |                                          |
| Срок получения образования: 4г |                                          |
| +                              | Типы задач профессиональной деятельности |
| +                              | аналитический                            |
| +                              | финансовый                               |
| +                              | расчетно-экономический                   |

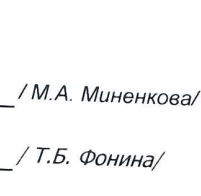
Год начала подготовки (по учебному плану)  
Образовательный стандарт (ФГОС)

2023  
№ 954 от 12.08.2020

СОГЛАСОВАНО

Начальник управления организации и контроля  
качества образовательной деятельности

Декан факультета

 / М.А. Миненкова/  
 / Т.Б. Фомина/

| Код |  | Наименование | Матрица связей |  | Итого за месяц |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семей 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-----|--|--------------|----------------|--|----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-----|--|--------------|----------------|--|----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|